# आधुनिक भारत का इतिहास

# राष्ट्रवाद

## ( खंड-3 )

-मणिकांत सिंह

1. पूना पैक्ट से संदर्भित निम्नलिखित कथनों पर ध्यान दें-

1. इस पैक्ट के अनुसार दलितों के लिए पृथक निर्वाचन की प्रणाली समाप्त कर दी गई।

2. सरकारी सेवा में दलित वर्ग की आरक्षण की व्यवस्था की गई।

उपरोक्त कथनों में से कौन सत्य है?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) दोनों में से कोई नही

2. 1930-32 ई० की अवधि में भारत और ब्रिटेन के राजनेताओं की लंदन में हुई बैठकों का प्रायः प्रथम, द्वितीय और तृतीय गोलमेज सम्मेलन के रूप में उल्लेख किया जाता है। उनका उसी रूप में उल्लेख गलत होगा, क्योंकि-

(a) इनमें से दो में राष्ट्रीय कांग्रेस ने भाग नहीं लिया।

(b) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को छोड़कर जिन भारतीय दलों ने भाग लिया उन्होंने पूरे भारत का नहीं, वर्गीय हितों का प्रतिनिधित्व किया।

(c) ब्रिटेन की लेबर पार्टी सम्मेलन के बीच में ही हट गई थी और सम्मेलन की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण हो गई थी।

(d) ये तीन अलग-अलग सम्मेलन नहीं थे, अपितु यह एक ही सम्मेलन की अवस्था थी जो तीन सत्रों में संपन्न हुई थी।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

1. साम्प्रदायिक पंचाट गोलमेज सम्मेलनों के आधार पर लाया गया था।

2. इसमें भारत के सभी जातियों और सम्प्रदायों को पृथक निर्वाचन दिया गया था।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) दोनों में से कोई नही

4. अपनी प्रारंभिक सफलता के उपरांत स्वराज पार्टी का जनाधार तेजी से क्षीण हुआ। इसके कारण थे–

1. 1919 के अधिनियम के तहत निर्वाचित सरकारों को बहुत कम शक्ति दी गई थी।

2. भारत में उभर रहे साम्प्रदायिक तनाव की स्थिति।

(a) केवल 1 सत्य

(b) केवल 2 सत्य

(c) 1 तथा 2 दोनों सत्य

(d) दोनों असत्य

5. निम्नलिखित में कौन-सा मुद्दा असहयोग आंदोलन का तात्कालिक कारण बना?

(a) जालियाँवाला बाग नरसंहार

(b) हंटर कमीशन की रिपोर्ट का प्रकाशन

(c) खिलाफत का मुद्दा

(d) रॉलेट एक्ट